

अकर्ण वि. (तत्.) 1. जिसके कान न हों 2. जिसे सुनाई न दे, बहरा पुं. साँप, सर्प।

अकर्णक वि. (तत्.) दे. अकर्ण।

अकर्तव्य पुं. (तत्.) न करने योग्य कार्य, अनुचित कार्य विलो. कर्तव्य।

अकर्ता वि. (तत्.) जो कर्ता न हो, कुछ न करने वाला।

अकर्तृक वि. (तत्.) 1. जिसका कोई कर्ता न हो 2. जिसका कोई रचयिता न हो।

अकर्तृत्व पुं. (तत्.) 1. कर्ता न होने की स्थिति 2. किए गए कार्य के लिए अपने को कर्ता न मानना, निष्करुण।

अकर्तृवाच्य पुं. (तत्.) अकर्तरि प्रयोग दे. कर्मवाच्य।

अकर्म पुं. (तत्.) 1. न करने योग्य कार्य, दुष्कर्म, बुरा कार्य; ऐसा कार्य, जो बंधन का कारण हो 2. कर्म का अभाव, कर्म न करने की स्थिति 3. ऐसा कर्म जिसका फल अपने लिए न होकर लोकहित के लिए हो।

अकर्मक वि. (तत्.) (क्रिया) जिसके लिए कर्म का उल्लेख अपेक्षित नहीं होता जैसे- 'वह हँसा' कर्म का उल्लेख नहीं है।

अकर्मकता स्त्री. (तत्.) अकर्मक होने की अवस्था या भाव, अकर्मण्यता।

अकर्मण्य वि. (तत्.) काम न करने वाला, काम से जी चुराने वाला, आलसी, निकम्मा विलो. कर्मण्य।

अकर्मण्यता वि. (तत्.) अकर्मक होने की अवस्था या भाव।

अकर्मा वि. (तत्.) दे. अकर्मी।

अकर्मी वि. (तत्.) बुरा कर्म करने वाला, अपराधी या पापी।

अकर्षण पुं. (तत्.) 1. कर्षण का अभाव, खींचने की क्रिया (खिंचाई) का अभाव 2. घसीट कर लाने की क्रिया/घसीटने का अभाव 3. खरोंच कर रेखा खींचने आदि का अभाव 4. कृषि- कृषि-कर्म (जुताई) का अभाव 5. आयु. रोगी के बढ़े हुए त्रिदोषों (वात, पित्त, कफ) को घटाने का अभाव।

अकल वि. (तत्.) 1. जिसमें कलाएं अर्थात् भाग या हिस्से न हों, संपूर्ण (ईश्वर) 2. पूरा, समूचा, समग्र 3. व्याकुल, बेचैन स्त्री. 1. बुद्धि, सूझबूझ 2. चतुरता, होशियारी 3. विवेक।

अकलंक वि. (तत्.) 1. कलंक से रहित, निष्कलंक 2. निर्दोष, बेदाग, पवित्र।

अकलंकित वि. (तत्.) 1. जिस पर कलंक न लगा हो 2. निर्दोष, निष्कलंक, बेदाग विलो. कलंकित।

अकलखुरा वि. (हि.अकेला+फा.खोर) 1. अकेला खाने वाला 2. स्वार्थी, मतलबी 3. ईर्ष्यालु वि. (फा.) अक्ल+खुरा अकल को खा जाने वाला, मूर्ख।

अकलदाढ़ पुं. (अर.+देश.) युवावस्था में निकलने वाली दाढ़ (wisdom tooth), इस दाढ़ के निकलते समय प्रायः काफी कष्ट होता है।

अकल्प वि. (तत्.) जिसकी कल्पना न की जा सके, कल्पनातीत, अकल्पनीय।

अकलुष वि. (तत्.) 1. जिसमें किसी प्रकार का कोई कलुष/दोष/पाप न हो, निर्दोष, निष्पाप 2. पवित्र, पावन, शुद्ध 3. निर्मल, स्वच्छ, साफ।

अकलुषित वि. (तत्.) 1. जो कलुषित न हो 2. पवित्र 3. शुद्ध।

अकल्क वि. (तत्.) 1. शुद्ध, पावन, पुनीत, पवित्र, पाक 2. निष्पाप, पापरहित, पापमुक्त।

अकल्प वि. (तत्.) 1. अनियंत्रणाधीन 2. अतुलनीय 3. अक्षम।

अकल्पनीय वि. (तत्.) जिसकी कल्पना संभव न हो, कल्पना से परे विलो. कल्पनीय।